News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-189
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, सोमवार, 14 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

अब मॉनसून की विदाई शुरू, बदलने लगा है मौसम

पटना. बिहार में अब मॉनसून की विदाई होने वाली है. वहीं मॉनसून की विदाई के साथ ही बिहार में ठंड की एंट्री हो जाएगी. मौसम विभाग के अनुसार बिहार के कई जिलों में 18 अक्टूबर को बारिश हो सकती है. वहीं इसके बाद करीब 25 अक्टूबर से बिहार में ठंड का अनुभव होने लगेगा. दरअसल बिहार बारिश का मौसम अब बिहार के सभी जिलों से विदा ले चुका और शरद ऋतु की शुरुआत हो गई है. मौसम में अब धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिल रहा है. सुबह और शाम को हल्की ठंडक महसूस हो रही है, जबकि रात के समय ओस की बूंदें गिरने लगी हैं. पटना के मौसम विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक सोनी कुमारी के अनुसार बिहार से मॉनसून की विदाई हो चुकी है. अक्टूबर से दिसंबर के बीच का समय शरद ऋतु के रूप में जाना जाता है.

शरद ऋतु में क्या होता है?
वैज्ञानिक सोनी कुमारी की मानें तो शरद ऋतु में में हवा ज्यादातर उत्तर पश्चिमी और पश्चिमी बनी रहती है.

दिन में वायुमंडल में आद्रता औसतन 50 से 60 प्रतिशत तक रहती है. इसके साथ ही मौसम शुष्क बने रहने की संभावना रहती है. जबकि रात्रि के दौरान वायुमंडल की आद्रता औसतन 80 से 90 प्रतिशत तक हो जाती है. इसके साथ ही रात का तापमान दिन की तुलना में 08 से 10एष्ट तक घट जाती है.

आज कैसा रहेगा मौसम?
आज यानी 14 अक्टूबर को बिहार का मौसम शुष्क बना रहेगा. किसी भी जिले में बारिश की कोई संभावना नहीं है. रात के समय ओस की बारिश हो रही है. इस वजह से सुबह हल्की ठंडक महसूस की जा रही है. आने वाले दिनों में ठंडक में और बढ़ोतरी होने की संभावना है. आज दिन का अधिकतम तापमान 32एष्ट से 34एष्ट के बीच रहने की संभावना है वहीं रात्रि का न्यूनतम तापमान कई जिलों में 20एष्ट के आस पास रह सकता है. राजधानी पटना में तो दिन की शुरुआत 19एष्ट के साथ हुई. इस वजह से ठंडक अधिक महसूस की गई. हल्की धुंध भी सुबह के समय देखी गई. आसमान में बादल छाए हुए है. उत्तर पश्चिम बिहार, उत्तर मध्य बिहार के जिलों में रात का सबसे कम न्यूनतम तापमान 22एष्ट से 24एष्ट के बीच रहने की संभावना है. शेष जिलों का न्यूनतम तापमान 24एष्ट से 26एष्ट के बीच रहने की संभावना है.

हो गई मॉनसून की विदाई
आईएमडी पटना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 13 अक्टूबर 2024 को दक्षिण पश्चिम मॉनसून की वापसी समस्त बिहार से हो गयी है. इस साल मॉनसून का आगमन बिहार राज्य में 20 जून 2024 को हुआ एवं राज्य में इसका प्रसार सम्पूर्ण रूप से 28 जून 2024 तक हो गया. राज्य से मॉनसून की वापसी की शुरुआत 11 अक्टूबर 2024 से शुरु हुई एवं इसकी सम्पूर्ण वापसी राज्य से 13 अक्टूबर 2024 को हुई है. मॉनसून ऋतु के दौरान राज्य में कुल वर्षा 798.3 मिमी दर्ज की गई जो कि सामान्य 992.2 मिमी से 20त्न कम है.

भपटियाही में नए थाना भवन और आरओबी का करेंगे शुभारंभ

18 अक्टूबर को सुपौल आएंगे सीएम नीतीश

18 अक्टूबर को सीएम नीतीश कुमार का सुपौल में कार्यक्रम संभावित है। जिसको लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर है। हालांकि सीएम के कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। लेकिन सूत्रों की मानें तो 18 अक्टूबर को सीएम सुपौल के सरायगढ़ भपटियाही प्रखंड में दो अलग अलग कार्यक्रमों के साथ ही किशनपुर प्रखंड में भी एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम 18 अक्टूबर की सुबह 11 बजे हेलीकॉप्टर से सरायगढ़ भपटियाही प्रखंड क्षेत्र स्थित बीएन इंटर कॉलेज पहुंचेंगे। 11ः07 में वह भपटियाही थाना के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन के साथ ही जिले से संबंधित विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। 11ः20 बजे उनका भपटियाही में नवनिर्मित आरओबी (रेल ओवर ब्रिज) उद्घाटन का कार्यक्रम है।

जिसके बाद वह किशनपुर प्रखंड के मलाढ़ पंचायत स्थित वार्ड 12 महादलित टोला के लिए प्रस्थान करेंगे।

यहां प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों और योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसका सीएम जायजा लेंगे। साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों से संवाद करेंगे। इसके बाद 12ः20 बजे सीएम मलाढ़ पैक्स भवन से समीप हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा वापस पटना के लिए प्रस्थान करेंगे।

तीन दिनों से बढ़ी अधिकारियों की चहलकदमी
सीएम के संभावित कार्यक्रम के मद्देनजर संबंधित स्थलों पर बीते तीन दिनों से प्रशासनिक चहलकदमी काफी बढ़ी हुई है। डीएम कौशल कुमार, एसपी शैशव यादव, सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार, एसडीपीओ आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी हेलीपैड स्थल का लगातार मुआयना कर रहे हैं। वही कार्यक्रम स्थलों की सफाई के निर्देश दिए गए हैं। किशनपुर प्रखंड स्थित मलाढ़ के महादलित टोला में सौंदर्यीकरण का काम भी जोरों पर है।

नल जल की पाइपलाइन बिछ रही, पोल पर लग रहे लाइट
किशनपुर प्रखंड क्षेत्र के मलाढ पंचायत के वार्ड 12 स्थित महादलित टोला में सीएम के आगमन को लेकर प्रशासन की ओर से रंग रोगन, साफ सफाई सहित अन्य कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। टोला में चल रहे कार्यों का जायजा लेने अधिकारी स्वयं पहुंच रहे हैं। यहां जल नल की पाइप बिछाने, रंग रोगन साफ सफाई सहित बिजली के पोल पर लाइट लगाया जा रहा है। बहरहाल, सीएम के आगमन की खबर से टोले में खुशी का माहौल है।

बिहार में पहली बार हुई जिलाधिकारियों की रैंकिंग

देखें कोन आया आखिर में कोन नंबर-1?

बिहार में पहली बार जिलाधिकारियों की रैंकिंग जारी हुई है. इसमें अररिया के जिलाधिकारी सबसे फिसड्डी साबित हुए हैं. यह रैंकिंग राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने विभाग की ओर से संचालित योजनाओं और कार्यों की समीक्षा के बाद जारी की है. इस रैंकिंग में डीएम के प्रदर्शन को आठ मानदंडों पर परखा गया है. इनमें दाखिल-खारिज मामलों का निपटारा, परिमार्जन प्लस योजना, अभियान बसेरा-2, आधार सीडिंग और एडीएम कोर्ट की निगरानी शामिल हैं. इस रैंकिंग में अररिया जिला फिसड्डी साबित हुआ तो पटना का स्थान नीचे से पांचवें यानी 34वें पायदान पर रहा. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के समीक्षा में जमीन से संबंधित योजनाओं एवं कार्यों की मॉनीटरिंग तथा क्रियान्वयन में अररिया के डीएम अनिल कुमार सबसे फिसड्डी साबित हुआ है. उन्हें 100 में महज 20.9 अंक मिले हैं.

इस रैंकिंग में बांका जिले को पहला स्थान मिला है. शेखपुरा को दूसरा, सिवान को तीसरा, औरंगाबाद को चौथा, नालंदा को पांचवां, कैमूर को छटा, जहानाबाद को सातवां, बेगूसराय को आठवां और भोजपुरी को 9वां, पूर्णिया को दसवां और अंतिम स्थान पर अररिया है. बांका के डीएम अंशुल कुमार को 100 में 56.80 अंक प्राप्त हुए हैं. शेखपुरा डीएम आरिफ अहसान को 51.33 और सीवान के डीएम मुकुल कुमार गुप्ता को 42.68 अंक मिले हैं. जो डीएम टॉप किए हैं, उन्हें भी

कुल अंक का करीब आधा अंक ही प्राप्त हुआ है. शेष सभी जिलों का प्राप्त अंक आधा से कम में है.

सबसे फिसड्डी जिलों में अररिया का नंबर आता है. वहीं अंतिम पांच जिलों में पटना, नवादा, पश्चिम चंपारण, सहरसा और अररिया के नाम आते हैं. इस रैंकिंग में पटना 26.92, नवादा 26.61, पश्चिमी चंपारण 26.03, सहरसा 25.11 और अररिया 20.09 अंक के साथ फिसड्डी जिले साबित हुए हैं. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने कहा कि सितंबर से शुरुआत हो गई है और अब हर एक महीने डीएम के कामकाज की समीक्षा होगी. उस आधार पर उनकी रैंकिंग तय की जाएगी. डीएम के वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में भी रैंकिंग में हासिल अंकों को जोड़ा जाएगा.

बेगूसराय और मोकामा के लोगों को मिलेगी जाम से मुक्ति

बिहार में जल्द चालू होगा 6 लेन वाला पहला पुल

बिहार के पहले छह लेन पुल से अगले वर्ष अप्रैल में गाड़ियों की आवाजाही शुरू होगी। मोकामा के औटा और बेगूसराय के सिमरिया को जोड़ने के लिए गंगा पर पुल का निर्माण किया जा रहा है। सिर्फ आठ जगहों पर सेगमेंट रखने का कार्य शेष बचा हुआ है। एनएचएआई द्वारा पुल को दिसंबर में ही चालू करने की योजना थी, लेकिन पिछले दिनों बाढ़ के कारण निर्माण पूरी तरह से ठप हो गया था। इसी कारण पुल चालू करने की संभावित तिथि बढ़ाकर अप्रैल कर दी गई है। गंगा पर 1.86 किमी लंबे पुल और दोनों तरफ 3015 मीटर लंबे छह लेन और 3275 मीटर के चार लेन एप्रोच का निर्माण किया जा रहा है। एप्रोच में एक रेलवे ओवरब्रिज और दो रेलवे अंडरब्रिज का निर्माण होना है।

आरओबी में दो स्टील गर्डर लगे हैं। इसमें से एक को असेंबल कर तैयार कर लिया गया है। दूसरे की सभी सामग्री निर्माण स्थल पर पहुंच गई है। पहला लॉन्च होते ही, दूसरे का असेंबल कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जबकि एक आरयूबी स्टील गर्डर और दूसरा कंक्रीट बाक्स बेस होगा। दोनों का एक-एक पार्ट बनकर तैयार है। दूसरे पार्ट का भी निर्माण अंतिम चरण में है। इस पुल के चालू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार में आवागमन

आसान हो जाएगा।

बिहार के पहले छह लेन पुल से अगले वर्ष अप्रैल में गाड़ियों की आवाजाही शुरू होगी। मोकामा के औटा और बेगूसराय के सिमरिया को जोड़ने के लिए गंगा पर पुल का निर्माण किया जा रहा है। सिर्फ आठ जगहों पर सेगमेंट रखने का कार्य शेष बचा हुआ है।

एनएचएआई द्वारा पुल को दिसंबर में ही चालू करने की योजना थी, लेकिन पिछले दिनों बाढ़ के कारण निर्माण पूरी तरह से ठप हो गया था। इसी कारण पुल चालू करने की संभावित तिथि बढ़ाकर अप्रैल कर दी गई है।

गंगा पर 1.86 किमी लंबे पुल और दोनों तरफ 3015 मीटर लंबे छह लेन और 3275 मीटर के चार लेन एप्रोच का निर्माण किया जा रहा है। एप्रोच में एक रेलवे ओवरब्रिज और दो रेलवे अंडरब्रिज का निर्माण होना है। आरओबी में दो स्टील गर्डर लगे हैं। इसमें से एक को असेंबल कर तैयार कर लिया गया है। दूसरे की सभी सामग्री निर्माण स्थल पर पहुंच गई है। पहला लॉन्च होते ही, दूसरे का असेंबल कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जबकि एक आरयूबी स्टील गर्डर और दूसरा कंक्रीट बाक्स बेस होगा। दोनों का एक-एक पार्ट बनकर तैयार है। दूसरे पार्ट का भी निर्माण अंतिम चरण में है। इस पुल के चालू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार में आवागमन आसान हो जाएगा।

रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण जारी
औटा से हाथीदह व सिमरिया बिंद टोली से राजेन्द्र पुल स्टेशन एनएच-31 तक में सिक्सलेन का एक आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) और दो आरयूबी (रेलवे अंडरब्रिज) का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा रास्ते में 6 वेकल अंडरब्रिज (वीयूबी) भी होगा। हाथीदह जंक्शन के पास आरओबी का निर्माण चल रहा है। जहां एसएच-106 के ऊपर से एनएच-31 गुजरेगी। औटा के पास दो जगहों पर रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण किया जा रहा है।

आवागमन में होगी सुविधा
मोकामा से बेगूसराय जाने के लिए वर्तमान में लोग दो लेन वाले राजेंद्र सेतु का इस्तेमाल करते हैं। इसके एक लाइन पर ज्यादातर समय जीर्णोद्धार का काम चलता रहता है। इस कारण एक लेन से ही गाड़ियों का आवागमन होता है। पुल के दोनों छोर पर गाड़ियों को रोक दिया जाता है। इसके बाद वाहनों को अलग-अलग समय में पार कराया जाता है।

कभी-कभार तो पुल पार करने में एक-दो घंटे का समय लग जाता है। लेकिन सिक्स लेन पुल चालू होने के बाद लोग मिनटों में गंगा नदी पार कर लेंगे। उत्तर और दक्षिण बिहार की संपर्कता काफी सुलभ हो जाएगी। ब्रिज पर 13-13 मीटर चौड़ी दोनों ओर तीन-तीन लेन की सड़क रहेगी, जबकि ब्रिज के दोनों ओर डेढ़ मीटर चौड़ी फुटपाथ भी बनायी जा रही है।

बिहार में मूर्ति विसर्जन के दौरान पथराव के बाद बवाल

दो दुकानों में लगाई आग; तनाव के बाद SP-DSP तैनात

बिहार में मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के दौरान जमकर बवाल हुआ है। असामाजिक तत्वों ने विसर्जन के दौरान जुलूस पर पथराव किया है। सीतामढ़ी जिले के बेलसंड में प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर रविवार की अहले सुबह जमकर रोड़ेबाजी की गई। बेलसंड चौक से रजिस्ट्री ऑफिस होते हुए मनुषमारा नदी घाट की आज जैसे ही विजर्सन जुलूस आगे बढ़ी कि एक पक्ष की ओर से विसर्जन जुलूस पर रोड़ेबाजी शुरू हो गई। रोड़ेबाजी शुरू होते ही अफरा-तफरी मच गई।

जिसमें विसर्जन जुलूस में शामिल लोग के साथ पुलिस के करीब एक दर्जन जवान जख्मी हुए हैं। जिन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। जहां से इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। इधर, रोड़ेबाजी के बाद कुछ उपद्रवी तत्वों ने दो दुकान में आग लगा दिया। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।

रोड़ेबाजी की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने जबरन जुलूस को आगे ले गई।

जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने प्रतिमा को नदी घाट पर ही छोड़कर हट गए। उनका आरोप है कि रोडेबाजी करने वालों पर कार्रवाई करने से उलट हमलोगों को ही डंडे के बलपर जबरन हटाया गया।

इससे आक्रोशित लोगों ने डीएम-एसपी के बुलाने व रोड़ेबाजी करने वालों पर कार्रवाई की मांग करते हुए प्रतिमा विसर्जन करने से इंकार कर दिया। इधर, इसकी सूचना मिलते ही सुबह में डीएम- एसपी मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण करने की कोशिश में जुट गए है। तनाव के बाद वहां स्क्क-ष्ठस्क्कतैनात हैं और भारी संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की गई है।